



धमाका
डिस्काउंट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 79,325	Silver 96,500	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	-------------	---------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------

प्रयागराज महाकुंभ की सड़कें मप्र तक जाम, सीएम मोहन यादव की श्रद्धालुओं से खास अपील

भोपाल । प्रयागराज में हो रहे महाकुंभ में लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का जनसेलाब उमड़ रहा है। खासकर मौनी अमावस्या के दिन हुए हादसे के बाद यूपी प्रशासन ने अलर्ट मोड में काम करना शुरू कर दिया है। प्रयागराज महाकुंभ में 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा के दिन पवित्र स्नान के लिए देशभर के लोग लगातार प्रयागराज जा रहे हैं। वहीं, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे जिलों की सड़कों पर घंटों जाम की स्थिति बनी है। जाम के चलते रीवा, कटनी, सतना, सिवनी जिलों में प्रयागराज जाने वाले वाहनों को रोक दिया गया है।

सीएम मोहन यादव की अपील - सीएम मोहन ने जाम में फंसे लोगों को खान-पान रुकने की

व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। सीएम मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश के जो सटे हुए इलाके हैं, खासकर रेवांचल, यहां हर तरफ लगातार पूरे देश के बाकी राज्यों से लोगों का आवागमन हो रहा है। इसलिए कुंभ प्रशासन की ओर से हमसे संपर्क किया गया और हम भी उनके संपर्क में हैं। अभी आप कृपया करके एक या दो दिन इस मार्ग से आगे न बढ़ें।

क्योंकि ये आगे मेले की व्यवस्थाओं में भी चुनौती आ रही है। जिस तरह का सेलाब उमड़ा है, ये हमारे लिए सौभाग्य की बात तो है, लेकिन हमारे लिए व्यवस्थाओं के अंदर थोड़ी मदद की बात भी है। हमारे राज्य के अंदर जहां पर भी जाम की स्थिति है, जहां यात्री हैं, वहां पर हमने पर्याप्त भोजन,

पानी और आराम की व्यवस्थाओं के लिए प्रशासन को निर्देश दिए हैं और सामाजिक संस्थाएं भी अपने-अपने स्तर पर इस काम में लगी हुई हैं।

मैं एक बार फिर लोगों से निवेदन कर रहा हूं, विनम्रता से मेरी बात पर भी ध्यान दें और आगे जाने के मार्गों को भी देखते हुए जाएं। रास्ता खाली हो तो जरूर आगे बढ़ें, लेकिन अगर कठिनाई हो रही है तो रुककर समय का इंतजार करें।

प्रयागराज मार्ग पर लगातार वाहनों का दबाव - आपको बता दें, रीवा से प्रयागराज मार्ग पर लगातार वाहनों का दबाव बना हुआ है। हालात यह हैं कि रुक-रुक कर करीब 16 किमी का लंबा जाम लग रहा है। दूर-दूर से आए

तीर्थयात्री वाहनों में फंसे हुए हैं। चाकघाट से सोहागी घाटी गढ़ तक भीड़ जमा हो गई है। पुलिस और जिला प्रशासन की टीम जाम हटाने के लिए जुटी है।

इधर, सिवनी जिले के छपरा क्षेत्र के नेशनल हाइवे 44 पर लंबा जाम देखने को मिल रहा है। जहां प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं को पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर रोक दिया। बता दें, इस लंबे जाम में हजारों श्रद्धालु फंसे हुए हैं। वहीं, इस दौरान जाम में कई एंबुलेंस भी फंसी नजर आई, जिन्हें श्रद्धालुओं के द्वारा यहां से लोगों से निवेदन कर निकलाते हुए देखा गया। इधर, सतना से प्रयागराज जा रहे लोगों के वाहनों की संख्या को कंट्रोल करने के लिए रूट डायवर्ट किए गए हैं।

प्रदेश को विकसित बनाने के लिए औद्योगिक संवर्धन नीति सहित अनेक नीतियां स्वीकृत

भोपाल 11 फरवरी (एजेंसी)। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-



परिषद द्वारा प्रदेश को विकसित एवं समृद्ध राज्य बनाने के लिए औद्योगिक संवर्धन नीति 2025 की स्वीकृति दी गयी है। इसके अंतर्गत 10 सेक्टर विशिष्ट नीतियों यथा कृषि, डेयरी एवं खाद्य प्रसंस्करण नीति, टेक्सटाइल नीति,

और सहायक उपकरण नीति, एयरोस्पेस और रक्षा उत्पादन प्रोत्साहन नीति, फार्मास्यूटिकल्स नीति, मेडिकल डिवाइस से स

नीति, ईन्ही विनिर्माण नीति, नवकरणीय ऊर्जा उपकरण विनिर्माण नीति और हाई वेल्यू-एड विनिर्माता नीति को स्वीकृति दी गयी है। औद्योगिक संवर्धन नीति 2025 का उद्देश्य मध्य प्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और राज्य की वर्तमान

सुजित करना,निवेशक सुविधा में सुधार करना और राज्य में व्यापार करने की प्रक्रिया को सरल बनाना और प्रदेश की योजनाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के साथ संरेखित कर भविष्य के लिए प्रशिक्षित कार्यबल तैयार करना है। इसके अंतर्गत वृहद और मेगा स्तर की औद्योगिक इकाई को निवेश प्रोत्साहन सहायता, सामान्य सहायता और अतिरिक्त सहायता के प्रावधान शामिल किये गये है। कृषि, डेयरी एवं खाद्य रूप से रोजगार-गहन क्षेत्रों पर जोर देते हुए अगले पाँच वर्षों में लगभग 20 लाख नवीन रोजगार के अवसर

विद्यार्थी अपना लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़े- डॉ. माधुरी चौरसिया

नीमच (निप्र)। ज्ञानोदय इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों लिए भावपूर्ण और भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया। कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और उल्लास के साथ इस समारोह आयोजित किया। इस यादगार अवसर पर प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति रही, जिसमें ज्ञानोदय इंटरनेशनल विश्वविद्यालय की कुलाधिपति डॉ. माधुरी चौरसिया, ज्ञानोदय स्कूल की निर्देशिका डॉ. गरिमा चौरसिया और प्रधानाचार्य श्री प्रदीप कुमार पांडे शामिल रहे। इस कार्यक्रम की मुख्य



ज्ञानोदय इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों का विदाई समारोह का आयोजन सम्पन्न

अतिथि शीलपी चौहान थीं, जिसकी उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी खास

बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के भव्य स्वागत

से हुई, जहाँ 11वीं कक्षा के छात्रों ने मंच पर आमंत्रित किया। इसके बाद सरस्वती

पूजन किया गया, जिससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिकता और सकारात्मकता का

संचार हुआ।

विदाई समारोह का सबसे आकर्षक भाग रहा रैंप वॉक, जिसमें कक्षा 12वीं के छात्रों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ भाग लिया। इस दौरान 25 चयनित विद्यार्थियों ने मंच पर अपना परिचय दिया और अपने अनुभवों को साझा

किया। स्कूल की निर्देशिका डॉ. गरिमा चौरसिया ने कहा विद्यार्थी अपना लक्ष्य का निर्धारण करके आगे एकाग्रता से आगे बढ़ें, तो ऐसी कोई मंजिल नहीं है, जो प्राप्त नहीं हो सकती है। विद्यार्थी जीवन वह स्वर्णिम अवसर है जो जीवन में एक बार ही प्राप्त होता है, वह वापस कभी लौटकर नहीं आता। अतः विद्यार्थी जीवन का सदुपयोग कर विद्यार्जन में जुट जाएं। विद्यालय प्रधानाचार्य श्री प्रदीप कुमार पांडे ने छात्रों को बोर्ड परीक्षा में उत्तम अंकों के साथ उत्तीर्ण होने की शुभकामनाएं दी और कहा कि आपको विदाई हमारे लिए भावुक करने वाला पल है। इस अवसर पर कई छात्रों को उनकी विशेष योग्यताओं के लिए सम्मानित किया गया मिस्टर फेयरवेल: मीत धनुका, मिस फेयरवेल: रोज पुरोहित, सर्वश्रेष्ठ परिधान (बालक): वेदांत गहलोत, सर्वश्रेष्ठ परिधान (बालिका):

परी, मिस्टर अनुशासन: पीयूष नागदा, मिस अनुशासन: वंदना, मिस्टर परफेक्शनिस्ट: मोक्षदा। समारोह को और भी मनोरंजक बनाने के लिए कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने शानदार नृत्य प्रस्तुतियाँ दीं। 11वीं विज्ञान वर्ग के छात्रों द्वारा किया गया हास्य नृत्य सभी के लिए मनोरंजन और आनंद का केंद्र बना रहा। कार्यक्रम के अंत में, शिक्षकों और छात्रों ने भावनात्मक भूषण दिए, जिसमें 12वीं कक्षा के छात्रों की यात्रा को याद किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। यह विदाई केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं थी, बल्कि छात्रों और शिक्षकों के बीच के गहरे संबंधों का उत्सव थी, जिसमें बीते वर्षों की अनगिनत यादों को संजोया गया। यह एक भावनात्मक और आनंद से भरी शाम रही, जिसे सभी विद्यार्थी जीवनभर याद रखेंगे।

जनसुनवाई आवेदनों का तत्परता पूर्वक निराकरण कर आवेदकों को लिखित में अवगत करवाए- चंद्रा

नीमच (निप्र)। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए 109 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका तत्परतापूर्वक निराकरण कर, की गई कार्यवाही से संबंधित आवेदक को लिखित में अवगत करवाने के निर्देश संबंधित जिला अधिकारियों को दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़ ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में एसडीएम श्री संजीव साहू, संयुक्त कलेक्टर डॉ.ममता खेड, डिटी कलेक्टर सुश्री



कलेक्टर ने की जनसुनवाई - 109 आवेदकों की सुनी समस्याएं

किरण आंजना, चंद्रसिंह धार्वे, डॉ.रश्मि श्रीवास्तव एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में सुरजना के

रामसुख पाटीदार ने एक मात्र परम्परागत रूढ़ीगत रास्ता खुलवाने, गिरदीडा के किशनसिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाते,

नीमच सीटी की कैलाशी बाई ने मकान के लिए पट्टे की जमीन उपलब्ध करवाने, ग्वालटोली निवासी जागृति ने शासकीय भूखण्ड को अपना

बताकर, कम दाम में प्लाट बेचने का झंसा देकर धोकाधड़ी करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही कर, हड़पी गई राशि दिलवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर कलेक्टर चंद्रा ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में इंदिरा नगर नीमच के अब्दुल गफ्फार, बिहारगंज नीमच की राधाबाई, बरुखेडा के भेरूलाल, सिलावटी मोहल्ला रामपुरा के मुकेश गोड, नीमच के सुधीर अग्रवाल, चचौर के उस्मान, अठाना की कमलाबाई, रिटायर्ड कॉलोनी बचाना के रामलाल, बंगला नं.55 नीमच की सुनिता यादव, पिपलिया खुर्द के भोनीराम, गिरदीडा के भंवरलाल, पिपलिया व्यास के श्यामलाल रेगर, दाबी की भावना कुंवर आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

नीमच नपा का विशेष सम्मेलन 17 फरवरी को 650 बेड अस्पताल की जमीन और जलकर वृद्धि समेत 26 प्रस्तावों पर होगा फैसला

नीमच 11 फरवरी (निप्र)। नगर पालिका का विशेष सम्मेलन 17 फरवरी सोमवार को सुबह 11:30 बजे पुरानी नगर पालिका के सभाकक्ष में आयोजित किया जाएगा। नपा अध्यक्ष स्वाति चौपड़ा की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी।बैठक में जलकर में वृद्धि, 650 बेड के अस्पताल के लिए भूमि आवंटन और हॉट मैदान में दुकानों की निविदा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर निर्णय लिया जाएगा। सीएमओ महेंद्र वृष्टि की उपस्थिति में होने वाली इस बैठक में स्वास्थ्य शाखा के 347 अस्थाई कर्मचारियों के अनुबंध नवीनीकरण का प्रस्ताव भी रखा जाएगा। एजेंडे में शामिल अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं में रेलवे कॉलोनी वार्ड 40 में सफाई व्यवस्था का 5 वर्षीय अनुबंध, तरण पुष्कर के लिए जीवनरक्षकों की नियुक्ति, कर्मशाला शाखा के 16 कर्मचारियों का अनुबंध नवीनीकरण, बाग-बगीचा शाखा के 39 श्रमिकों की नियुक्ति और अटल आश्रय स्थल के लिए 4 चौकीदारों की नियुक्ति शामिल है। विशेष अस्थाई नियुक्तियां 89 दिनों के लिए प्रस्तावित हैं।इस विशेष सम्मेलन के बाद जल्द ही नगर पालिका के सभट को लेकर भी एक अलग बैठक आयोजित की जाएगी। सभी प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

एजेंडे में शामिल ये बिंदुओं पर होगी चर्चा - स्वास्थ्य शाखा में पूर्व कार्यरत 40 अस्थाई जनसेवकों को आगामी 89 दिवस के लिये कार्य पर रखने, स्वास्थ्य शाखा में पूर्व कार्यरत 307 अस्थाई जनसेवकों को आगामी 89 दिवस के लिये कार्य पर रखने, मृत मवेशी उठाने हेतु पूर्व में

कार्य पर रखे गये श्रमिकों को आगामी 89 दिवस अवधि हेतु कार्य पर रखे जाने की स्वीकृति बाबत। रेल्वे कॉलोनी वार्ड क्र. 40 रहवासी क्षेत्र में 15 सफाई जनसेवक से सफाई कार्य एवं मच्छर रोधी व्यापक कार्य (किटनाशक छिड़काव) एवं ठोस अपशिष्ट कलेक्शन एवं निपटाना (डोर-टू-डोर वाहन कार्य) की 05 वर्षों के लिए अनुबंध की अवधि बढ़ाने, तरण पुष्कर संधारण हेतु संविदा आधार पर श्रमिक एवं जीवन रक्षक 89 दिवस के लिये कार्य पर रखे जाने की प्रशासकीय स्वीकृति । कर्मशाला शाखा में पूर्व से परिषद स्वीकृति अनुसार कार्यरत 12 वाहन चालक 04 हेल्पर को आगामी 89 दिवस के लिये कार्य पर रखे जाने की प्रशासकीय स्वीकृति बाबत। अटल आश्रय स्थल की चौकीदारी व देखरेख हेतु 04 श्रमिको को आगामी 89-89 दिवस अवधि हेतु कार्य पर रखे जाने की स्वीकृति बाबत। लोकनिर्माण शाखा में कार्यरत 1+8 अस्थाई श्रमिकों संविदा श्रमिको को आगामी 89 दिवस अवधि हेतु कार्य पर रखे जाने की स्वीकृति, जलप्रदाय शाखा में चौकिदार कार्यरत 2 दैनिक श्रमिक कार्य पर आगामी 89 दिवस के लिये कार्य पर रखे जाने की स्वीकृति बाबत ! पुराना हॉट मैदान स्थित ब्लॉक ई की दुकानो के ई-निविदा के माध्यम से प्राप्त उच्चतम ऑफर स्वीकृति, 12 धारा 150/151 के अंतर्गत 302 प्रकरणों में नामांतरण हेतु विचारार्थ । नगरपालिका नीमच सीमा क्षेत्र अंतर्गत छावनी क्षेत्र भूमि व्यवस्थापर नियम 2017 के अंतर्गत कुल 69

प्रकरणों में व्यवस्थापन के अनुमोदन बाबत।

नगरपालिका परिषद की विभिन्न योजनाओं में आवंटित भूखण्डों के पट्टानामा की अवधि समाप्त होने से म.प्र. नगरपालिका (अचल सम्पत्ति का अंतरण) नियम 2016 के नियम 17 के अनुसार लीज नवीनीकरण के अन्तर्गत 67 प्रकरणो मे अनुमोदन, 650 बेड का जिला चिकित्सालय के लिए मेडिकल कालेज के सामने की भूमि आवंटन बाबत । मध्यप्रदेश शासन द्वारा राजपत्र में प्रकाशित नियमों के अनुसार जलकर में वृद्धि बाबत। पूर्व पारित परिषद संकल्प अनुसार जिला न्यायालय नव निर्माण उपरान्त पूर्व न्यायालय की भूमि निकाय मे पूनः लेने बाबत ! ब्रह्मा कुमारी आश्रम से गौधाम बालाजी अमृत वाटिका तक सौन्दर्यकरण में प्राप्त निविदा की वित्ति स्वीकृति बाबत ! नगर पालिका टेंचिंग ग्राउण्ड में सोमेन्ट क्रॉक्रीट रोड निर्माण की अतिरिक्त व्यय के बाबत, सिद्धि विनायक कॉलोनी के गेट के बाहर तिराहे का नामांकरण (खण्डेलवाल समाज) करने बाबत ! भगवान महर्षि वाल्मीकी वाटीका का नामकरण करने बाबत। प्रकरण विचारार्थ । सेवानिवृत्त / मृतक जनसेवकों के स्नान पर परिचार के एक सदस्य को अस्थाई सफाई दैनिक श्रमिक के रूप मे रखे जाने बाबत ! क्रिटिकल केयर ब्लॉक हेतु ईटीपी और बायो डाईजेस्टर के लिए भूमि आवंटन हेतु प्रकरण विचारार्थ। अटल बस्ती में सीसी रोड व नाली निर्माण कार्य बाबत। कलेक्टर कार्यालय से रावणरूण्डी तक नाले का सोन्दर्गीकरण कार्य कराने की स्वीकृति बाबत। तरण पुष्कर आमजनों को उपलब्ध कराने हेतु समय, शुल्क, सुरक्षा व्यवस्था हेतु प्रकरण विचारार्थ।

ज्ञानोदय
मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में

आयुष्मान
योजना लागू

5 लाख
रूपए

प्रति वर्ष, पात्र परिवार को **निःशुल्क उपचार**

GMH
...where healing begins

आयुष्मानभारत

अब बीमार नहीं रहेगा लाचार, अंचल के भव्य हॉस्पिटल में होगा निःशुल्क उपचार

आयुष्मान कार्ड धारकों के निम्नलिखित बीमारियों कें उपचार **निःशुल्क** किए जाएंगें –

- जनरल मेडिसीन
- बाल चिकित्सा प्रबंधन
- नवजात गहन शिशु इकाई
- आपातकालीन चिकित्सा
- जनरल सर्जरी
- बर्न प्रबंधन
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- अस्थि एवं हड्डी रोग
- गंभीर चोटें
- संक्रामक रोग

अब उदयपुर एवं इंदौर जाने की जरूरत नहीं

सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर्स

का समूह एक ही स्थान पर उपलब्ध

ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
ज्ञानोदय महाविद्यालस के पीछे, कनावटी, नीमच ८6262778282

वित्तीय वर्ष 2025-26 का अग्रणी, पथप्रदर्शक एवं अतुलनीय बजट



प्रहलाद सबरानी

भारत में मध्यमवर्गीय परिवार देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता आया है। हाल ही के समय में प्रत्यक्ष कर संग्रहण में व्यक्तिगत आयकर की भागीदारी कारपोरेट क्षेत्र से आयकर की भागीदारी से भी अधिक हो गई है। अतः मोदी सरकार से अब यह अपेक्षा की जा रही थी कि मध्यमवर्गीय परिवारों को बजट के माध्यम से कुछ राहत दी जाय।

दिनांक 1 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार की वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए लोकसभा में बजट पेश किया। श्रीमती सीतारमन ने एक महिला वित्तमंत्री के रूप में लगातार 8वां बजट लोकसभा में पेश कर एक रिकार्ड बनाया है। वित्तमंत्री द्वारा लोक सभा में पेश किया गया बजट अपने आप में पथप्रदर्शक, अग्रणी एवं अतुलनीय बजट कहा जा रहा है क्योंकि इस बजट के माध्यम से किसानों, युवाओं, महिलाओं, गरीब वर्ग एवं मध्यम वर्ग का विशेष ध्यान रखा गया है। पिछले कुछ समय से देश की अर्थव्यवस्था में विकास की गति कुछ धीमी पड़ती हुई दिखाई दे रही थी अतः विशेष रूप से मध्यम वर्ग एवं गरीब वर्ग के हाथों में अधिक धनराशि शेष बच सके ताकि वे विभिन्न उत्पादों को खरीदकर अर्थव्यवस्था में इनकी मांग बढ़ा सकें, ऐसा प्रयास इस बजट के माध्यम से किया गया है। साथ ही, भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से रोजगार उन्मुख क्षेत्रों यथा कृषि क्षेत्र, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, निवेश, निर्यात एवं समावेशी विकास जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि इन्हें विकास के इंजिन के रूप में विकसित किया जा सके।

भारत में मध्यमवर्गीय परिवार देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता आया है। हाल ही के समय में प्रत्यक्ष कर संग्रहण में व्यक्तिगत आयकर की भागीदारी कारपोरेट क्षेत्र से आयकर की भागीदारी से भी अधिक हो गई है। अतः मोदी सरकार से अब यह अपेक्षा की जा रही थी कि मध्यमवर्गीय परिवारों को बजट के माध्यम से कुछ राहत दी जाय। और फिर, मुद्रा स्फीति की सबसे अधिक मार भी गरीब वर्ग के परिवारों एवं मध्यमवर्गीय परिवारों पर ही पड़ती दिखाई देती है। केंद्रीय वित्तमंत्री ने मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से आयकर की वर्तमान सीमा को 7 लाख रुपए से बढ़ाकर 12 लाख रुपए कर दिया है। अर्थात अब 12 लाख रुपए तक की आय अर्जित करने वाले नागरिकों पर किसी भी प्रकार का आयकर नहीं लगेगा। वेतन एवं पेंशन पाने वाले नागरिकों को 75,000 रुपए की स्टैंडर्ड कटौती की राहत इसके अतिरिक्त प्राप्त होगी। इस वर्ग के करदाताओं को 12.75 लाख रुपए तक की वार्षिक आय पर कोई आयकर नहीं चुकाना होगा। इसके साथ ही, आय कर की दरों में भी परिवर्तन किया गया है। अब 4 लाख रुपए तक की करयोग्य आय पर आयकर की दर शून्य रहेगी। 4 लाख



रुपए से 8 लाख रुपए तक की करयोग्य आय पर आयकर की दर 5 प्रतिशत, 8 लाख रुपए से 12 लाख रुपए तक की कर योग्य आय पर आयकर की दर 10 प्रतिशत, 12 लाख रुपए से 16 लाख रुपए तक की कर योग्य आय पर आयकर की दर 15 प्रतिशत, 16 लाख रुपए से 20 लाख रुपए तक की कर योग्य आय पर आयकर की दर 20 प्रतिशत, 20 लाख रुपए से 24 लाख रुपए तक की कर योग्य आय पर आयकर 25 प्रतिशत एवं 24 लाख रुपए से अधिक की कर योग्य आय पर 30 प्रतिशत की दर से आयकर लागू होगा। मध्यमवर्गीय करदाताओं को उक्त सुधारों से लगभग 80,000 रुपए से 1.10 लाख रुपए तक की राशि की बचत होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस सुधार से कुल मिलाकर देश के बजट में एक लाख करोड़ रुपए की राशि कम प्राप्त होगी अर्थात मध्यमवर्गीय परिवारों को कुल एक लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि का लाभ होगा। और, यह लाभ लगभग 2 करोड़ करदाताओं को होने की सम्भावना है। इससे देश के मध्यमवर्गीय एवं गरीब परिवारों के हाथों अतिरिक्त राशि उपलब्ध होगी जिसे वे विभिन्न उत्पादों की खरीद पर खर्च करेंगे और देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक होंगे। मध्यमवर्गीय एवं गरीब परिवारों ने जितना सोचा था शायद उससे भी कहीं अधिक राहत उन्हें इस बजट के मध्यम से दी गई है। इसीलिए ही, इस बजट को अग्रणी, पथप्रदर्शक एवं अतुलनीय बजट की संज्ञा दी जा रही है। मध्यमवर्गीय एवं गरीब परिवारों को, आयकर में छूट देकर, दी गई राहत देते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा गया

है कि इससे बजटीय घाटा में वृद्धि नहीं हो। वित्तीय वर्ष 2024-25 में बजटीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.9 प्रतिशत रहने की सम्भावना पूर्व में की गई थी, परंतु अब संशोधित अनुमान के अनुसार यह बजटीय घाटा कम होकर 5.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजटीय घाटा 5.4 रहने का अनुमान लगाया गया है। अतः देश की वित्तीय व्यवस्था पर किसी भी प्रकार का विपरीत प्रभाव नहीं पड़ने जा रहा है। हां, पूंजीगत खर्चों में जरूर कुछ कमी रही है और वित्तीय वर्ष 2024-25 में 11.11 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च के अनुमान के विरुद्ध 10.18 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत खर्च होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। हालांकि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 11.12 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च की व्यवस्था बजट में की गई है। इस राशि को 11.11 लाख करोड़ रुपए से बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 15 लाख करोड़ रुपए किया जाना चाहिए था क्योंकि पूंजीगत खर्च में वृद्धि से देश में आर्थिक विकास की दर तेज होती है और रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं। इस संदर्भ में एक रास्ता यह निकाला गया है कि केंद्र सरकार के उपक्रमों एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों से अपेक्षा की गई है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ये संस्थान भी अपने पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करें ताकि उनके द्वारा किए गए पूंजीगत खर्चों की राशि को मिलाकर कुल पूंजीगत खर्च को 15 लाख करोड़ रुपए से ऊपर ले जाया जाए। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से राज्यों के साथ मिलकर कृषि धन धान्य योजना को 100 जिलों में प्रारम्भ

किया जा रहा है, इस योजना के माध्यम से इन जिलों में ली जा रही फसलों की उत्पादकता में वृद्धि करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। दलहन के उत्पादन में आत्म निर्भरता प्राप्त करने के लिए 6 वर्षीय मिशन चलाया जाएगा। किसान क्रेडिट कार्ड की ऋण सीमा को 5 लाख तक बढ़ाया जा रहा है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऋण सीमा को 5 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपए एवं स्टार्टअप के लिए ऋण की सीमा को 10 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपए किया जा रहा है। लेदर उद्योग में रोजगार के 22 लाख नए अवसर निर्मित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत को खिलौना उत्पादन का अंतरराष्ट्रीय केंद्र बनाया जाएगा। गूरिया उत्पादन के क्षेत्र में भारत को आत्म निर्भर बनाया जाएगा। आज भारत खाद्य तेलों का भारी मात्रा में आयात करता है अतः तलहन के क्षेत्र में भी आत्म निर्भरता हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।। भारत में निर्मित विभिन्न उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए बाजारों की तलाश करते हुए विभिन्न देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापारिक समझौते सम्पन्न किए जा रहे हैं। देश में बीमा क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति प्रदान की जा रही है। विभिन्न शहरों में आधारभूत संरचना के विकास के लिए एक लाख करोड़ रुपए का एक विशेष फंड बनाया जा रहा है।

युवाओं में कौशल विकास के लिए अतिरिक्त प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, आगामी 5 वर्षों में देश के मेडिकल कॉलेजों में 75,000 युवाओं को अतिरिक्त दाखिला दिए जाएंगे। इंडियन इंस्टिट्यूट आफ टेक्नालजी कॉलेजों में टेक्नालाजिकल रीसर्च के लिए 10,000 पी एम स्कालरशिप प्रदान की जाएंगी एवं नए आईआईटी केंद्रों की स्थापना भी की जाएगी। आरटीफिशियल इंटेलीजेंस सेंटर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 500 करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

श्री अयोध्या धाम, महाकुम्भ क्षेत्र प्रयागराज, काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी, महाकाल मंदिर उज्जैन की तर्ज पर अन्य धार्मिक स्थलों को भी विकसित किया जाएगा ताकि देश में धार्मिक पर्यटन की गतिविधियों को और अधिक आगे बढ़ाया जा सके। देश में 52 नए पर्यटन केंद्र भी विकसित किए जाने की योजना बनाई गई है तथा भगवान बुध सर्किट भी विकसित किया जाएगा।

संपादकीय

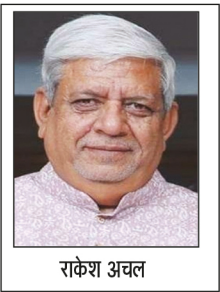
शुतुर्मुर्ग न बनें

भारत निर्वाचन आयोग ने आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल से कहा है कि यमुना में अमोनिया की मात्रा बढ़स्कने को नदी को जहरीला बनाने के आरोप से न जोड़ें। उनसे यमुना में विषाक्तता के प्रकार, मात्रा, प्रकृति व तरीके के बारे में तथ्यात्मक साक्ष्य उपलब्ध करने को भी कहा है। ऐसा न करने पर आयोग मामले के संबंध में उचित निर्णय करने को स्वतंत्र होगा। केजरीवाल ने दावा किया था कि हरियाणा सरकार यमुना में जहर घोल रही है। वहां से प्राप्त पानी मानव स्वास्थ्य के लिहाज से दूषित और अत्यंत जहरीला है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा था कि लोगों को यह जहरीला पानी पीने दिया गया तो स्वास्थ्य संबंधी गंभीर खतरा पैदा होगा और लोगों की मौत होगी। इससे पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने भी चुनाव आयुक्त को पत्र लिख कर यमुना नदी में बढ़ते अमोनिया स्तर पर हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया था। आरोप है कि हरियाणा से आने वाले पानी में अमोनिया का स्तर सात पीपीएम से ऊपर चला गया है जिसे उपचार योग्य सीमा से सात सौ गुना ज्यादा बताया जाता है। अमोनिया के टॉक्सिस लेवल को जल ट्रीटमेंट प्लांट्स प्रभावी ढंखा से उपचारित करने में अक्षम हो जाता है। दिल्ली में प्रदूषित पानी की सप्लाई को लेकर लोगों में नाराजगी देखने को मिलती है। पानी में अमोनिया का स्तर ज्यादा होने पर सांस व गुर्दे से संबंधित रोग हो जाते हैं तथा अंग क्षति की भी आशंकाएं बढ़ जाती हैं। राजधानी में चुनावी आरोप-प्रत्यारोपों का दौर है, इसलिए नेताओं को मुद्दों की तलाश है। ऐसे में जनता में भ्रम फैलाने के प्रति राजनेताओं को संयम बरतना चाहिए। भारत निर्वाचन आयोग को भी निष्पक्षता से सभी दलों पर नजर रखनी चाहिए। बावजूद इसके कि जहरीला पानी पर रोक लगे या शुद्ध पानी की व्यवस्था हो, सब दोषारोपण में व्यस्त हैं। दस साल से राज कर रहे केजरीवाल पेयजल की शुद्धता को लेकर पहले इतने संवेदनशील क्यों नहीं हुए। मुफ्त योजनाओं के बूते जनता को बरगलाने वालों को बुनियादी जरूरियात की शुद्धता के प्रति गंभीर होना होगा क्योंकि यह सब भारत निर्वाचन आयोग का अधिकार क्षेत्र नहीं है। केंद्रीय जल आयोग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और केंद्र व राज्य सरकार को पेयजल की शुद्धता के प्रति गंभीर होना होगा।

चिंतन-मनन

सन्मार्ग की प्रवृति

उत्तम कार्य की कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्रायः मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है कि लोगों को भ्रम हो जाता है कि कहीं यह दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने पड़ती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। किसी दुःखी या अभावग्रस्त को अन्धीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकता व उपयोगिता सर्वत्र स्वीकारी जा सकती है। परन्तु कई बार ऐसी सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसे करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता। दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी की भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो, साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्रायः कुछ असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिनमें पशुत्व की प्रधानता है, दुनिया में उनकी कमी नहीं है। उन्हें ज्ञान, तर्क, नम्रता, सज्जनता, सहनशीलता से अनीति के दुःखदाई मार्ग से पीछे नहीं हटाया जा सकता। पशु केवल दो चीजें पहचानता है- एक लोभ, दूसरा भय। दाना, घास खिला उसने ललचा कर कहीं भी ले जाइए, वह पीछे-पीछे चलेगा या लाठी का डर दिखा जिधर चाहे उधर ले जा सकता है। भय या लोभ से अज्ञानियों को, कुमार्गगमियों को सन्मार्ग में प्रवृत्त किया जा सकता है। भय उत्पन्न करने के लिए दंड का आश्रय लिया जाता है। लोभ के लिए कोई ऐसा आकर्षण उसके सामने उपस्थित करना पड़ता है जो आज की अपेक्षा अधिक सुखदायी हो। नशेबाजी, व्यभिचार आदि के दुष्परिणाम को बढ़ा-चढ़ाकर, बताकर कई बार उस ओर चलने वालों को इतना डरा दिया जाता है कि वे उसे स्वतः छोड़ देते हैं।



राकेश अवल

दिल्ली विधानसभा का चुनाव है तो मुंबई महापालिका से भी छोटा लेकिन इस चुनाव को जीतने के लिए भाजपा और कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टियां आम आदमी पार्टी जैसे छोटे से दल से भिड़ गयीं है। इस चुनाव को अब दिल्ली वाले केजरीवाल बनाम मोदी बनाम राहुल होते देख रहे हैं। सत्तारूढ़ होने की वजह से जहाँ भाजपा ये चुनाव जीतने के लिए साम-दाम-दंड और भेद का इस्तेमाल कर रही है ,वहीं कांग्रेस भी आम आदमी पार्टी को आस्तीन का सांप मानकर कुचलने में जुटी हुई है। सबसे पहले सत्तारूढ़ दल की बात करते हैं। इस चुनाव में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के ऊपर जितने भी हमले किये हैं उनका बचाव प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास



ललित गर्ग

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर सोनिया गांधी की टिप्पणी को भारतीय जनता पार्टी एवं अन्य राजनीतिक दलों ने ही नहीं, बल्कि आम लोगों ने भी आपत्तिजनक, अशालीन एवं स्तरहीन बताया है। राष्ट्रपति भवन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यह बहस न केवल ललत है, बल्कि राष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला है। संसद के बजट सत्र के पहले राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सोनिया गांधी ने जिस तरह एवं जिन शब्दों में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की, उस पर विवाद खड़ा हो जाना इसलिये स्वाभाविक है क्योंकि यह बयान दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण होने के साथ पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से ग्रस्त है। सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी भाषा और आरोपों को लेकर सतर्क, शालीन एवं शािष्ट रहे। विशेषतः कांग्रेस के नेता अक्सर अपने बोल, बयान एवं भाषा की शिष्टता से चुकते रहे हैं। भारत की लोकतांत्रिक और संवैधानिक व्यवस्था में सबसे प्रतिष्ठित पद राष्ट्रपति का है। लेकिन, सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जिस तरह से राजनीति प्रेरित होकर विचार एवं नीतियों की आलोचना करने की बजाय सीधा राष्ट्रपति पर कटाक्ष किया है, उससे इस पद की गरिमा को गहरा आघात लगा है। राष्ट्रपति का अभिभाषण सरकार की नीतियों एवं योजनाओं को रेखांकित करता है, इसमें राष्ट्रपति की अपनी कोई विशिष्ट विचारधारा नहीं होती, इसलिए निष्पक्ष चाहे तो नीतियों एवं योजनाओं की आलोचना कर सकता है, यह उदासी अधिकार होता है। वह इस अधिकार का उपयोग करता है और उसे करना भी

मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से लेकर पार्टी के हर छोटे बड़े नेता को करना पड़ रहा है। संख्याबल और अनुभव के हिसाब से देखें तो भाजपा के समाने आम आदमी पार्टी अभी भी शैषवकाल में है लेकिन उसका हौवा इतना है कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री तक को मैदान में उतरना पड़ा है। पूरे देश में भाजपा और डबल इंजिन की जितनी भी राज्य सरकारें हैं उनके मुख्यमंत्री भी दिल्ली जितने के लिए अपने -अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहे है। एक यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जरूर महाकुम्भ हादसे की वजह से दिल्ली नहीं जा पाए।

भाजपा ने दिल्ली जीतने के लिए अपने सभी आजमाए हुए फार्मूलें दिल्ली में भी अपनाये है। भाजपा ने केंद्रीय चुनाव आयोग का खुलकर दुरुपोग किया है। पुलिस का इस्तेमाल किया है। आम आदमी पार्टी पर दबाव बनाने के लिए दिल्ली स्थित पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के घर छापा मरने की कोशिश की है। आम आदमी पार्टी के 7 पूर्व विधायकों के असंतोष का फायदा उठाते हुए उन्हें पार्टी छोड़कर बाहर आने पर मजबूर कर दिया है। अब ये सब भाजपा के लिए काम करेंगे। आम आदमी पार्टी सरकार के मुखिया से लेकर पुराने केजरीवाल मंत्रिमंडल के तीन मंत्रियों को जेल की हवा पहले ही खिलाई जा चुकी है ,यहां तक की आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सदस्य संजय

राष्ट्रपति मुर्मू पर बेचारी लेडी का कटाक्ष दुर्भाग्यपूर्ण

चाहिए, लेकिन इस लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग राष्ट्रपति के व्यक्तित्व का छिद्रान्वेषन करना कैसे हो सकता है? यह अच्छा नहीं हुआ कि सोनिया गांधी ने अभिभाषण में व्यक्त विचारों के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी करने के स्थान पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर ही कटाक्ष एवं तंज कस दिया। उन्हें यह कहने की आवश्यकता नहीं थी कि अभिभाषण के आखिर तक आते-आते राष्ट्रपति बहुत थक गई थीं। कठिनाई से बोल पा रही थीं। बेचारी महिला। पता नहीं सोनिया गांधी ने यह निष्कर्ष कैसे निकाल लिया और यदि निकाल भी लिया तो उन्हें उसे बेचारी महिला जैसे शब्दों में व्यक्त नहीं करना चाहिए था, यह उनकी राजनीति अशिष्टता, अशालीनता, अहंकार एवं अपरिपक्वता का ही द्योतक है। ऐसा लगता है कांग्रेस एवं उनके शीर्ष नेताओं की चेतना में स्वस्थ समालोचना के बजाय विरोध की चेतना मुखर रहती है। ऐसे अमर्यादित एवं अशोभनीय आलोचना ने राष्ट्रपति पद की अस्मिता एवं अस्तित्व पर सीधा एवं तीखा आक्रमण कर दिया है।

यह आश्चर्य का नहीं बल्कि सतर्कता, समयज्ञता एवं जागरूकता विषय है कि राष्ट्रपति भवन को सोनिया गांधी की टिप्पणी पर अपनी अप्रसन्नता व्यक्त करनी पड़ी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर सोनिया गांधी की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया देनी पड़ी है और कांग्रेस के बयान को न केवल गलत कहा, बल्कि इसे राष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला भी बताया। राष्ट्रपति ने हिंदी जो उनकी मातृभाषा नहीं है, फिर भी उन्होंने बहुत ही बेहरीन एवं प्रभावी भाषण दिया, लेकिन कांग्रेस का शाही परिवार उनके अपमान किसी भी पल थकी नहीं थीं, उन्होंने पूरे आत्मविश्वास और ऊर्जा के साथ संसद को संबोधित किया। विधेया रूप से जब वे हाशिए पर खड़े समुदायों, महिलाओं और किसानों के अधिकारों की बात कर रही थीं, तब वे और भी ज्यादा संकल्पित एवं ऊर्जा से भरी हुए थीं। राष्ट्रपति को विश्वास है कि इन वर्गों की आवाज उठाना कभी भी थकावट का कारण नहीं बन सकता, बल्कि यह उनके कर्तव्य का एक अहम हिस्सा है। इसके अलावा, राष्ट्रपति भवन ने कांग्रेस नेताओं की

सिंह को भी जेल यात्रा करना पड़ी है।

अब कांग्रेस की बात करते हैं। कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के साथ इंडिया गठबंधन में तालमेल बनाये रखने की बहुत कोशिश की ,लेकिन आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस का लिहाज न मप्र विधानसभा चुनाव में किया और न हरियाणा और महाराष्ट्र में। गुजरात में तो किया ही नहीं ,उलटे दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस से अपने रिश्ते खराब और कर लिये। आम आदमी पार्टी ने भाजपा के भ्रष्ट नेताओं की सूची में लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी को भी जोड़ लिया।आम आदमी पार्टी की इस हरकत के बाद कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी को आस्तीन का सांप मानकर उसका फन कुचलना शुरू कर दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ही नहीं बल्कि उनकी बहन प्रियंका वाड़ा और पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी अब आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर लगातार हमले कर रहे हैं। कांग्रेस भी भाजपा की तर्ज पर केजरीवाल को महाभ्रष्ट बता रही है। मुख्यमंत्री आवास को शीशमहल बनाने और शराब घोटाले के आरोप लगा रही है। कांग्रेस आम आदमी पार्टी को भाजपा की बी टीम बता रही है। भाजपा ने जहाँ दिल्ली में हिन्दुओं का धुलोकरण करने की कोशिश की है ठीक वैसे ही कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों को अपने साथ रखने का

प्रयास किया है।

दिल्ली में पहली बार विधानसभा का चुनाव साफ तौर पर त्रिकोणीय बना है। दिल्ली में इस बार आम आदमी पार्टी स्पष्ट बहुमत से बहुत दूर खड़ी दिखाई दे रही है। ऐसे में स्थितियां ऐसी बन सकती हैं कि आम आदमी पार्टी को सत्ता में बने रहने के लिए या तो एक बार फिर कांग्रेस के समाने समर्पण करना होगा या सचमुच में भाजपा की बी टीम बनकर रहना होगा। ये भी हो सकता है कि यही समस्या भाजपा और कांग्रेस के सामने भी आये। कुल जमा पशोपेश दिल्ली के मतदाता की है। उसे तय करना है कि वो कौन से भ्रष्ट दल की सरकार बनाती है ,क्योंकि आम आदमी पार्टी भाजपा और कांग्रेस को महाभ्रष्ट बता चुकी है ,वहीं कांग्रेस और भाजपा ने आम आदमी पार्टी को समवेत स्वर में महाभ्रष्ट कहा है। अर्थात दिल्ली में दूध का धुला कोई दल नहीं है। आगामी 5 फरवरी को दिल्ली में मतदान है। उसी दिन प्रधानमंत्री दिल्ली जीत की कामना लेकर प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ में डुबकियां लगाने जायेंगे। उन्हें यूपी के मुख्यमंत्री को पापमुक्त करने के लिए भी डुबकी लगना है। रहल गाँधी या उनके परिवार ने अपने आपको महाकुम्भ से मुक्त रखा है। शायद उन्हें न मोक्ष की कामना है और न पापों से मुक्ति की। मुमकिन है कि वे अपने आपको पापी समझते ही न हों।

देखते हुए तो और भी संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। समस्या यह है कि सोनिया गांधी हों या राहुल गांधी, वे किसी की आलोचना करते समय शब्दों के सही चयन में प्रायः चूक कर जाते हैं। जब ऐसा होता है तो यही ध्वनित होता है कि गांधी परिवार के सदस्य अहंकार में दूब कर अपनी राजशाही मानसिकता का परित्याग नहीं कर पा रहे हैं।

सोनिया गांधी अपने आपको सक्षम राजनीतिज्ञ मानती होंगी, वे विरोध एवं व्यक्तित्व आलोचना की राजनीति की खिलाड़ी भी स्वयं को साबित करने में जुटी हो, भले ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरोध में सारी हदें लांघी हो, लेकिन भारत की राजनीति केवल विरोध पर जीवत नहीं रह सकती। राजनीति में समालोचना नितांत अपेक्षित है, समालोचक होना और समालोचना करना बहुत बड़ी बात है, पर जब नेता सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्तित्व की गरिमा को ही खंडित करता है, अपने विवेक को गिरवी रखकर समालोचना करता है, उसे समालोचना नहीं, स्तरहीन विरोध ही कहा जायेगा। ऐसे विरोध के प्रति दया का भाव ही जताया जा सकता है, उसका उत्तर नहीं दिया जा सकता। आखिर निषेधात्मक भावों का उत्तर कब तक दिया जाए? कांग्रेस की इस श्रृंखला का कहीं अंत ही दिखाई नहीं देता। रचनात्मक समालोचना हो, तथ्यों के आधार पर हो, विवेकसम्मत हो तो उसके बारे में चिंतन भी किया जा सकता है। लोकतंत्र समालोचना का विरोधी नहीं है, बल्कि स्वतंत्र एवं शालीन समालोचना का स्वागत ही होता है, इससे राजनीति परिपक्व एवं मजबूत होती है, किन्तु नमक की रोटी का क्या स्वागत किया जाए? कुछ आटा हो तो नमक की रोटी भी काम की हो सकती है। पर जिसमें कोरा नमक ही नमक हो, वह स्पर्शणीय कैसे बन सकती है। प्रश्न है कि इस तरह की दूषित राजनीति एवं पूर्वाग्रहों के घनघोर परिवेश से लोकतंत्र एवं राष्ट्रपति जैसा सर्वोच्च पद कब तक आहत होता रहेगा? सोनियाजी राजनीति ही करनी है तो मूल्यों की राजनीति करो, देश सेवा की राजनीति करो, जनता के दिलों को जीतने की राजनीति करो। उजालों पर कालिख पोतने का प्रयास एवं चरित्र हनन के उद्देश्य से किया जाने वाला ऐसा राजनीतिक प्रयत्न कितना जघन्य होता है, समझने वाली जनता अच्छी तरह समझती है।

गुप केंद्र सीआरपीएफ नीमच को

बेस्ट कॉस्ट इफेक्टिव गुप केंद्र ट्रॉफी से किया सम्मानित

नीमच (निप्र)। सीआरपीएफ के मध्य प्रदेश सेक्टर के अधीन सभी गुप केंद्रों में से गुप केंद्र नीमच को श्री सुमन कांत तिग्गा, आई.जी. मध्य प्रदेश सेक्टर, भोपाल द्वारा प्रतिष्ठित 'बेस्ट कॉस्ट इफेक्टिव गुप केंद्र' ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। मंगलवार को गुप केंद्र में आयोजित एक समारोह में उक्त ट्रॉफी गुप केंद्र के श्री सुरेन्द्र कुमार, डीआईजी ने ग्रहण की। मुख्य अतिथि महोदय ने इस अवसर पर अपनी ओर से गुप केंद्र के सभी अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने

संबंधन में कहा की यह ट्रॉफी गुप केंद्र द्वारा सीमित संसाधनों में उच्च गुणवत्ता वाले कार्य और सेवाएँ प्रदान करने की दिशा में किए गए अनुकरणीय प्रयासों का प्रतिफल है। तदुपरांत गुप केंद्र के डीआईजी ने इस उपलब्धि पर बोलते हुए, कहा कि यह पुरस्कार हमारी टीम के समर्पण, नवाचार और स्मार्ट रणनीतियों का प्रमाण है। हम हमेशा गुणवत्ता से समझौता किए बिना अधिकतम प्रभावशीलता सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं। इसके साथ ही मध्य प्रदेश के प्रशासनिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाली 79 बटालियन जो कि वर्तमान में कश्मीर में तैनात है,



को मुख्य अतिथि श्री सुमन कांत तिग्गा, आई.जी., मध्य प्रदेश सेक्टर ने 'बेस्ट कॉस्ट इफेक्टिव बटालियन' ट्रॉफी से सम्मानित



किया, जिसे बटालियन कमांडेंट किशोर कुमार ने ग्रहण किया। इस अवसर पर सुरेन्द्र कुमार डीआईजी गुप केंद्र नीमच, ब्रिगेडियर

(रिटा.) अनमोल सूद डीआईजी आरटीसी नीमच, डॉ. पदमा चौधरी डीआईजी(मेडिकल) संयुक्त अस्पताल नीमच, विजय

कुमार कमांडेंट प्रथम बटालियन, सभी राजपत्रित अधिकारिगण, अधीनस्थ अधिकारीगण एवं जवान मौजूद रहे।

मोटर चोरी के मामले में तीन आरोपी और गिरफ्तार

पिपलिया मण्डी 11 फरवरी (निप्र)। विद्युत मोटर चोरी के मामले में तीन ओर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार बरखेड़ा जयसिंह निवासी रुपसिंह शक्तावत ने कुए से विद्युत मोटर चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने केस दर्ज कर विवेचना के बाद वरदल निवासी लाला पिता रामचन्द्र भील व तेजपाल पिता जुझारलाल भील को पकड़ा था। दोनों के कब्जे से चोरी गई विद्युत मोटर के अलावा

एक और चोरी की मोटर बरामद की थी। दोनों आरोपियों को कोर्ट ने एक दिन, मंगलवार तक पुलिस रिमाण्ड पर सौंपा था। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने मोटर चोरी में गांव के ही कन्हैयालाल पिता जुझारलाल भील, गोविन्द पिता बाबूलाल भील व भेरूलाल पिता नंदराम भील का भी शामिल होना बताया। इधर आधार पर पुलिस ने इन तीनों को भी गिरफ्तार किया। पांचों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जिन्हें जमानत मिल गई।

काम नहीं किया, एडवांस लिए रुपए मांगे तो पीटा

पिपलिया मण्डी 11 फरवरी (निप्र)। मजदूरी के लिए दिए रुपए वापस मांगे तो मारपीट की। पुलिस ने केस दर्ज किया। मुण्डकोषा निवासी दिलीप नायक ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैंने एक वर्ष पूर्व शंकरलाल नायक को 10 हजार रुपए कुआ खुदाई की मजदूरी के लिए दिए थे, लेकिन शंकरलाल काम पर नहीं आया और रुपए भी नहीं दिए। एक वर्ष बाद रुपए मांगे तो गाली-गलौज कर मारपीट की। बीच-बचाव करने आए मेरे पिता रामलालजी के साथ भी मारपीट की। पुलिस ने शंकरलाल पर केस दर्ज किया।

जिले की अधिकाधिक पंचायतों को

टी.बी.मुक्त पंचायत घोषित करवाए- चंद्रा

नीमच (निप्र)। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले की अधिकाधिक ग्राम पंचायतों को टी.बी.मुक्त ग्राम पंचायत घोषित करवाए। साथ ही टी.बी.मुक्त पंचायतों के प्रस्ताव का नामांकन करवाए। ग्राम पंचायतों के सभी नोडल अधिकारी निरोग्यम नीमच अभियान के तहत ग्राम पंचायतों का नियमित रूप से भ्रमण कर अभियान के तहत डोर टू डोर सर्वे कार्य का जायजा ले। चिन्हित क्षय रोगियों को फूड बास्केट का वितरण करवाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जिला अधिकारियों की बैठक में समय-सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, संयुक्त कलेक्टर डॉ.ममता खेडे एवं सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।



ला अधिकारियों की बैठक में

कलेक्टर ने दिए निर्देश

योजना के तहत स्वीकृत प्रकरणों एवं भुगतान की समीक्षा करते हुए सभी निकायों को निर्देश दिए, कि किसी भी पात्र हिस्साग्रहियों का संबल योजना में आर्थिक सहायता का कोई भी प्रकरण स्वीकृति के लिए लंबित ना रहे और शासन से बजट राशि प्राप्त होने के बाद किसी भी प्रकरण में भुगतान लंबित ना रहे।

योजना के तहत जनजागरूकता के लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में शिबिर आयोजित कर, आमजनों को घरों पर सौलर पैनल लगवाने के लिए प्रेरित करने और उनके प्रकरण तैयार करवाने के निर्देश भी ऊर्जा एवं अक्षय ऊर्जा विभाग को दिए। बैठक में कलेक्टर ने निरोग्यम अभियान के तहत गांवों में सभी विभागों के

से टीम भावना के साथ डोर टू डोर सर्वे करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सभी विभागों को 50 दिवस से अधिक की सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का निराकरण करवाने, नगरीय निकाय, रतनगढ़, रामपुरा, जावद के सीएमओ को लंबित सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का निराकरण करवाकर, शिकायतें बंद करवाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने संबल

कलेक्टर ने पीएम सूर्य घर

दो बाइकों की टक्कर में 2 युवक घायल

नीमच 11 फरवरी (निप्र)। सोमवार की देर रात एक गंभीर सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा नीमच-मनासा मार्ग पर स्थित बोरखेड़ा टोल टैक्स के पास हुआ। घटना की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस सेवा की टीम मौके पर पहुंची। ईएमटी राहुल राठौर और पायलट दशरथ व्यास ने घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया।

घायल जिला अस्पताल में भर्ती - हादसे में घायल दोनों युवकों की पहचान नीमच सिटी निवासी आरिफ और बगीचा नंबर चार निवासी साहिल (पिता जाकिर) के रूप में की गई है। अभी दोनों घायल युवकों का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। स्थानीय पुलिस ने मामले की जानकारी लेते ही आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

योजना के तहत जनजागरूकता के लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में शिबिर आयोजित कर, आमजनों को घरों पर सौलर पैनल लगवाने के लिए प्रेरित करने और उनके प्रकरण तैयार करवाने के निर्देश भी ऊर्जा एवं अक्षय ऊर्जा विभाग को दिए। बैठक में कलेक्टर ने निरोग्यम अभियान के तहत गांवों में सभी विभागों के

गो कल्याण एवं रक्षार्थ

सुंदरकांड पाठ भादवामाता में

नीमच (निप्र)। भारत में गोवंश की निर्मम हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगे ऐसी कामना के साथ मालवा की वैष्णोदेवी के नाम से विख्यात भादवामाता में संचालित श्री राज राजेश्वरी संस्कृत वेद पाठशाला में माघ पूर्णिमा के पावन पर्व पर कुंभ संक्रांति एवं ललिता जयंती के विशेष योग पर 12 फरवरी, बुधवार को दोपहर 3 बजे से वेद पाठशाला में संगीतमयी सुंदरकांड पाठ का मंगलमय आयोजन रखा गया है। उक्त सन्दर्भ में जानकारी देते हुए वेद पाठशाला संचालक पं. विकास शर्मा ने बताया कि सुंदरकांड पाठ में राष्ट्रीय गौसेवा संघ भारत के राष्ट्रीय गौकथा प्रवक्ता एवं प्रचारक दशरथानंद सरस्वती का सान्निध्य प्राप्त होगा। गो रक्षार्थ सुंदरकांड पाठ में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेवें एवं गोवंश का आशीर्वाद प्राप्त करें।

नीमच (निप्र)। कलेक्टर

श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं और निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए, कि जिले की सभी पंचायतों में नल से जलापूर्ति सुनिश्चित करें। कोई मजरा, टोला नहीं छूटे। निर्माणाधीन सड़क एवं पुलियाओं के कार्य 31 मार्च 2025 तक पूर्ण करवाए।

जिलों की सभी पंचायतों में नल

से जलापूर्ति सुनिश्चित करें- चंद्रा



बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, अतिरिक्त सीईओ श्री अरविंद डामोर, डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने बैठक में निर्देश दिए कि भादवामाता में सड़क, डिवाइडर निर्माण कर, सौदर्यीकरण का कार्य करवाए। राह में रेतचे ब्रीज का कार्य प्रारंभ करवाकर तेजी से पूर्ण करवाए।

सड़क डामरीकरण एवं बेसवर्क का कार्य तत्काल शुरू करवाकर, 10 मार्च तक पूर्ण करवाए। प्रधानमंत्री आवास योजना की सर्वे सूची सभी ग्राम पंचायतों के सूचना पटल पर चस्पा करवाने के भी निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों में अविलम्ब मस्टर जारी करने के निर्देश ग्राम पंचायतों को दिए। बैठक में कलेक्टर चंद्रा ने

निकाय और पंचायत स्तर पर 20 फरवरी तक भरे जा रहे यात्रा के पंजीयन फार्म

किसी सपने के समान है। इसके लिए समिति के पदाधिकारियों ने प्रशासन और परिवहन विभाग से अनुमति लेने की बात भी कही है। पवित्र भूतेश जन कल्याण समिति निःशुल्क चारधाम यात्रा (गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ) के पंजीयन पत्र वितरण का 20 दिसंबर 2024 हो चुका है, जो 20 फरवरी 2025 तक जाएगा।

संस्थान ने लोगों को निःशुल्क चारधाम यात्रा कराने जा रही है, जिसके पंजीयन फार्म निकाय और ग्राम पंचायतों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि निकाय और पंचायत के माध्यम से पंजीयन फार्म भरे जा रहे हैं। इसमें आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को यात्रा कराएगा। समिति की कार्यालय

प्रभारी सुश्री चौहान ने बताया कि जो भी व्यक्ति चारधाम की निःशुल्क यात्रा करना चाहते हैं, वे नागरिक अपने क्षेत्र की संबंधित नगरपालिका, नगर परिषद व ग्राम पंचायत से पंजीयन फार्म प्राप्त करने के बाद वहीं पर जमा कराए। समिति की कार्यालय प्रभारी प्रियंका चौहान ने बताया कि उनकी संस्था पवित्र भूतेश जन कल्याण समिति

बीते 7 सालों से सामाजिक क्षेत्र में कार्य कर रही है। समिति ने जिले के यात्रियों को चारधाम की निःशुल्क यात्रा कराने का लक्ष्य रखा है, जिसकी सूचना जिला कलेक्टर व जिला परिवहन विभाग को दे चुके हैं। इसके अलावा जिला पंचायत, जनपद पंचायत जावद, मनासा व नीमच, नगरपालिका नीमच व सभी निकायों को भी सूचित कर दिया गया है। यात्रा 20 अप्रैल 2025 से आरंभ होगी।

आज ही बुक करें अपना **Zelo** इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु ~~45990/-~~ रु **42000/-**

में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु **42000/-** से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरू ...

RTO मॉडल मात्र

रु ~~81000/-~~ रु **76000/-***

(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वारंटी के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का ।

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने, Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)

मो. 940742399, 8770664866